# आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा आयोजित
# जल उद्योगिनी 2.0: महिला जल-उद्यमिता को बढ़ावा

आईसीएआर-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (सीआईएफई), मुंबई के एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन केंद्र (एबीआई) द्वारा एक दिवसीय महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (WEDP) "**जल उद्योगिनी 2.0**" का सफलतापूर्वक आयोजन **9 जून, 2025** को किया गया। इस कार्यक्रम में **56** प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूहों की मछुआरिनें, वृत्ति फाउंडेशन तथा दर्यावर्दी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (DPCL), मुंबई से जुड़ी एफएफपीओ टीम शामिल थीं। इसका उद्देश्य मछली प्रसंस्करण क्षेत्र में उद्यमिता के अवसरों का पता लगाना था।

आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के **निदेशक डॉ. एन. पी. साहू** के नेतृत्व में इस कार्यक्रम की शुरुआत **डॉ. एस. पी. शुक्ला,** प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, एबीआई द्वारा की गई। उन्होंने मात्स्यिकी और जलीय कृषि में महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों के महत्व और महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए सीआईएफई के एबीआई केंद्र द्वारा प्रदान किए जा रहे समर्थन पर प्रकाश डाला।

डीपीसीएल और दर्यावर्दी मच्छीमार संघ (डीएमएस) की संस्थापक **श्रीमती उज्ज्वला पाटील** जी ने महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में डीपीसीएल की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। डीपीसीएल के सीईओ **श्री ललित जाधव** जी ने महिला स्वयं सहायता समूहों की क्षमता और भविष्य में डीपीसीएल के माध्यम से महिला एसएचजी आधारित स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने की संभावनाओं की जानकारी दी। वृत्ति फाउंडेशन की वरिष्ठ सलाहकार **श्रीमती सोनिया गर्चा** जी ने बताया कि डीपीसीएल को वृत्ति फाउंडेशन किस प्रकार सहयोग दे रहा है और यह कैसे मछुआरिनों को एक मजबूत उत्पादक समूह के रूप में संगठित करने में मदद कर रहा है जिससे मत्स्य क्षेत्र में व्यावसायिक संभावनाएं बन सकें।

तकनीकी सत्र के अंतर्गत 'मछली प्रसंस्करण और उद्यमिता के अवसर' विषय पर **डॉ. लायना पी.** (वैज्ञानिक एवं सह-अन्वेषक, एबीआई) द्वारा व्याख्यान दिया गया। इसके पश्चात 'उद्यमिता विकास हेतु वित्तीय सहायता' विषय पर **डॉ. शिवाजी अरगडे** (वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं सह-अन्वेषक, एबीआई) ने जानकारी साझा की। इसके बाद प्रतिभागियों को मछली प्रसंस्करण इकाइयों का भ्रमण कराया गया।

कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के साथ एक संवादात्मक चर्चा के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का समन्वय एबीआई टीम द्वारा किया गया और इसका संचालन **श्रीमती स्नेहल परब** (वरिष्ठ अनुसंधान सहकारी, एबीआई) ने किया।

यह आयोजन महिला सशक्तिकरण की दिशा में आईसीएआर-सीआईएफई की एबीआई टीम, वृत्ति फाउंडेशन एवं डीपीसीएल, मुंबई के संयुक्त प्रयासों का एक उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

जल उद्योगिनी २.०